

मुंबई हलचल

अब हर सच होगा उजागर

शुद्ध घी में बनी

बूंदी

₹ 500/-
380/-

गरमा गरम

गाजर हलवा सुरती उन्धीया

MM शांति

AVAILABLE ON ZOMATO SWIGER

Contact No. 9820999501 / 9820999503

Star Plaza, Carter Road No. 6, Borivali East

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

अजित किराए का कमेडियन...

एकनाथ शिंदे के खिलाफ टिप्पणी करना कामरा को पड़ा महंगा, स्टूडियो में घूसकर शिवसैनिकों ने की तोड़फोड़



मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा द्वारा अपने हालिया यूट्यूब वीडियो में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर की गई टिप्पणी के बाद शिवसेना कार्यकर्ताओं ने रविवार को खार स्थित हैबिटेड कॉमेडी क्लब में तोड़फोड़ की। कुणाल कामरा के नए वीडियो में उन्होंने एकनाथ शिंदे को गद्दार करार दिया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर आते ही शिवसैनिक तुरंत स्टूडियो पहुंचे और वहां तोड़फोड़ कर दी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

प्रियंका चतुर्वेदी ने कामरा का किया समर्थन

हालांकि, शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने इस मुद्दे पर कुणाल कामरा का समर्थन किया और अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक पोस्ट साझा किया। प्रियंका चतुर्वेदी की एक्स पोस्ट में लिखा, प्रिय कुणाल, डटे रहो। जिस आदमी और गिरोह का तुमने पदांश किया है, वह तुम्हारे पीछे पड़ जाएगा और उसके बिकाऊ लोग भी, लेकिन समझो कि राज्य के निवासी भी यही भावना रखते हैं। और जैसा कि वॉल्टेयर ने कहा था मैं तुम्हारे मन की बात कहने के अधिकार की मरते दम तक रक्षा करूंगी।



बस चलाते समय क्रिकेट मैच देखना पड़ा महंगा



चालक बर्खास्त

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। देशभर में सड़क हादसों की संख्या काफी बढ़ गई है। इसके जो आंकड़े सामने आए हैं, वह भी डरावने और चिंताजनक हैं। केंद्रीय सड़क व परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या को मान्यता दी। जिसे देखते हुए सरकार और प्रशासन भी इसे कम करने के कार्य में जुट गई है। सड़क सुरक्षा जैसे अभियानों के जरिए लोगों में जन जागरूकता की जा रही है। मंत्री गडकरी ने सड़क हादसों की बढ़ती संख्या पर मंथन करते हुए कहा था कि इसमें चालकों की लापरवाही सबसे बड़ी वजह है। ऐसे ही चालकों की वजह से लोगों की जान खतरे में पड़ जाती है। ऐसे ही लोगों की जान जोखिम में डालने वाले मुंबई-पुणे बस के चालक का वीडियो काफी वायरल हुआ था। जिसके बाद लोगों की आक्रोशित प्रतिक्रियाएं सामने आई थीं। सब राह देख रहे थे कि इस चालक पर कब कार्रवाई होगी। अब इस चालक पर गाज गिरी है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

छुट्टियों में कन्फर्म टिकट के लिए यात्री परेशान



मध्य रेलवे बना रहा 1 हजार से ज्यादा समर स्पेशल ट्रेनें चलाने की योजना

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। भारतीय रेल के तमाम प्रयासों को बावजूद भी रेल यात्रियों की मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब हर सीजन में ट्रेन का आरक्षित टिकट पाने के लिए लोगों को जद्दोजहद करनी पड़ती है। गर्मी की छुट्टियां शुरू होते ही महानगर मुंबई से यूपी-बिहार व अन्य राज्यों की ओर जाने वाली गाड़ियों में तो बेतहासा भीड़ बढ़ जाती है। अप्रैल-मई में अपने गांव घर की ओर जाने वालों को 60 दिन पहले लाइन लगाने के बावजूद उन्हें ट्रेनों का कन्फर्म टिकट नहीं मिल पाया है। यहां तक कि 24 घंटे की ट्रेन यात्रा के लिए आरक्षण कार्यालयों पर 48 घंटे लाइन लगाने पर भी बड़ी संख्या में यात्रियों को मायूस होना पड़ा है। अप्रैल मई में छुट्टियों के साथ शादी ब्याह का मौसम होने से लाखों की संख्या में लोग अपने मुलुक की यात्रा करते हैं। मई में भाई की शादी में शामिल होने के लिए जौनपुर जाने वाले संजय प्रजापति ने कहा कि लगातार 2 दिनों तक ठाणे आरक्षण कार्यालय पर लाइन लगाने के बावजूद उन्हें कन्फर्म टिकट नहीं मिला।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

हिंसा के 6 दिन बाद पूरी तरह से हटा कर्फ्यू

संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की तैनाती के साथ गश्त जारी

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के नागपुर में 6 दिन पहले हुई हिंसा के बाद रविवार को शहर के शेष 4 इलाकों से भी कर्फ्यू हटा लिया गया। बता दें कि घटना के बाद कल शुक्रवार को पहली बार मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस नागपुर आए और पुरी स्थिति का जायजा उन्होंने लिया था। जिसके बाद आज हालात सामान्य होने के आसार नजर आ रहे हैं। गत 17 मार्च को हुई हिंसा के बाद कोतवाली, गणेशपेट, तहसील, लकड़गंज, पंचपावली, शांति नगर, सक्करदरा, नंदनवन, इमामबाड़ा, यशोधरा नगर और कपिल नगर पुलिस थाना क्षेत्रों में कर्फ्यू लगा दिया गया था।

(शेष पृष्ठ 3 पर)



मुख्यमंत्री ने की थी समीक्षा बैठक

नागपुर एक धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक शहर के रूप में जाना जाता है। यहां की संस्कृति अलग है। कई वर्षों बाद शहर में पहली बार ऐसी घटनाएं हुई हैं, जिनसे कानून-व्यवस्था प्रभावित हुई है। भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए शांति भंग करने वाले दंगाइयों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें, ऐसे निर्देश मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दिए। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर शहर की कानून-व्यवस्था को लेकर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, जिलाधिकारी, नगर निगम आयुक्त समेत अन्य अधिकारियों के साथ बैठक कर घटना की समीक्षा की।

हमारी बात

जीएसटी के ही भरोसे!



अब जीएसटी आंकड़ों को जीडीपी आकलन का पैमाना बनाया जा सकता है। सरकार में समझ बनी है कि जीएसटी की उगाही आर्थिक गतिविधियों का संकेत है। मगर जीएसटी के साथ एक पेच है, जिस बारे में कुछ नहीं कहा गया है।

खबर है कि जीडीपी की गणना की अगली शृंखला में जीएसटी की उगाही को एक पैमाना बनाया जा सकता है। नए पैमानों पर मापी गई जीडीपी की अगली शृंखला फरवरी 2026 से लागू होने वाली है। सरकारी हलकों में समझ बनी है कि जीएसटी की उगाही निजी उपभोग को मापने का बेहतर पैमाना है। जीएसटी के आंकड़ों से सरकारी उपभोग का भी सही अंदाजा लगता है। जीएसटी की जितनी उगाही होती है, उसमें लगभग साढ़े नौ प्रतिशत हिस्सा सरकारी उपभोग का है। उपभोग के सही आकलन से जीडीपी वृद्धि दर में अनुमान में सुधार होगा। समझ यह है कि उपभोग आर्थिक गतिविधियों का संकेत देता है। मगर जीएसटी के साथ एक पेच है, जिस बारे में अधिकारियों ने कुछ नहीं कहा है। पेच यह है कि महंगाई बढ़ने के साथ जीएसटी की उगाही बढ़ जाती है। इसलिए कि जीएसटी वस्तुओं या सेवाओं के दाम पर प्रतिशत के हिसाब से लगता है। मान लें कोई वस्तु या सेवा अगर 100 रुपये की है। उस पर जीएसटी की दर 18 फीसदी है, तो वह उपभोक्ता को 118 रुपये में मिलेगी। उसकी कीमत दस फीसदी बढ़ जाए, तो उसका दाम 110 रुपये हो जाएगा, और वह 129.80 रुपये में मिलेगी। इस तरह 1.80 रुपये की सरकारी आमदनी बढ़ जाएगी। इसी तरह जीएसटी की दर बढ़ जाए, तो बिना उपभोग बढ़े सरकार को अधिक आय होगी। इन दोनों स्थितियों में आर्थिक गतिविधियों में कोई बदलाव नहीं आएगा। मगर बिगड़ते हालात के बीच बेहतर आर्थिक सूरत पेश करने के लिए बेसब्र सरकार के पास आखिर पैमानों को बदलने के अलावा रास्ता क्या है! वस्तु उत्पादन बढ़ावा देने की बहुचर्चित योजना- मेक इन इंडिया फेल हो चुकी है। पीएलआई स्कीम के साथ इसका दूसरा संस्करण भी अपेक्षित परिणाम देने में विफल रहा। ये खबर आ चुकी है कि यह योजना अपनी मौजूदा अवधि के साथ समाप्त हो जाएगी। 2021 में ये स्कीम शुरू हुई, तो जीडीपी में मैन्युफैक्चरिंग का योगदान 15.4 प्रतिशत था, जो अब 14.3 फीसदी हो चुका है। ऐसे में सब कुछ पैमानों में हेरफेर पर ही आ टिका है, तो इसमें हैरत की कोई बात नहीं है।

कुरआन में विश्व शांति और गैर मुसलमानों के अधिकार

काफिरों (गैर मुस्लिमों) को जहां पाओ मार डालो कुरआन में ऐसा लिखा है। केवल इतना बात कर यह संदेश दिया जाता है कि कुरआन हिंसा सिखाता है। आइये इस पर बात करते हैं। दोस्तों आम जीवन में और समाज में शांति को बनाए रखने के लिए जहां एक ओर सामान्य आदेश और निर्देश दिए जाते हैं तो वहीं एक ओर आसामाजिक तत्वों और आक्रमणकारियों को नियंत्रण में रखने के लिए पुलिस या सेना इत्यादि सदैव तत्पर रहती है। पुलिस अथवा सेना का हमेशा उपलब्ध होना इस बात का प्रमाण नहीं है कि प्रशासन लड़ाई की शिक्षा देता है और न ही असामाजिक तत्व या आक्रमणकारी हमेशा चढ़ाई ही किए रहते हैं बल्कि किसी भी आपात परिस्थितियों से निपटने के लिए हमेशा पूर्व तैयारी रखी जाती है। इसी प्रकार कुरआन में सामान्य और आपातकालीन दोनों प्रकार के आदेश और निर्देश दिए गए हैं। सामान्य हालात में आपातकालीन युद्ध संबंधी शिक्षाओं को जो मनुष्य प्रचारित करते रहते हैं उन तक यह जानकारी पहुंचा दी जाए कि युद्ध के समय के आदेश सामान्य परिस्थितियों में लागू नहीं होते हैं। कुरआन मजीद वह अंतिम दिव्य ईश्वरीय ग्रंथ जो अंतिम संदेशवाहक पैगंबर इस्लाम हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहो अलैह वसल्लम पर अल्लाह के फरिश्ते जिब्रिल अलैहिस्सलाम के प्रकाशना के जरिए 23 वर्ष की लंबी अवधि में थोड़ा-थोड़ा करके अवतरित हुई जिसे बाद में पुस्तक का रूप दिया गया। जिसकी सुरक्षा की गारंटी अल्लाह ने स्वयं ली है जिसमें कोई भी परिवर्तन नहीं हो सकता।

इसमें इंसानों की जिंदगी के धार्मिक आर्थिक पारिवारिक सामाजिक राजनीतिक नैतिक आध्यात्मिक हर क्षेत्र के लिए आचार संहिता और दिशा निर्देश वर्णित है इस्लाम संपूर्ण ईश्वरीय जीवन व्यवस्था है जो कि मानव स्वभाव के अनुकूल और पूर्ण है। कुरआन की चंद आयतों की व्याख्या उसके मूल संदर्भ और पृष्ठभूमि से हटाकर करने वाले कुछ विद्वान प्रायः यह आरोप लगाते हैं कि कुरआन मजीद में गैर मुसलमानों अर्थात् काफिरों को मार डालने का हुक्म दिया गया है जबकि यह कतई सच्चाई नहीं है। यहां यह बात विशेष तौर पर ध्यान रहे कि काफिर का मतलब गैर मुस्लिम नहीं नास्तिक होता है।

इस ग्रंथ में वर्णित सूरह मुत्तहिना आयत 8 में कहा गया है :-

अल्लाह तुम्हें इस बात से नहीं रोकता कि तुम उन लोगों के साथ नेकी और इंसाफ का बर्ताव न करो जिन्होंने धर्म के मामले में तुमसे युद्ध नहीं किया है और न ही तुम्हें तुम्हारे घरों से निकाला है अल्लाह तो इंसाफ करने वालों को पसंद करता है।

इसी प्रकार इसी प्रकार अन्य धर्मों की निंदा करने से मुसलमान को रोका गया है सूरह अल अनआम सूरह 6 आयत 108 के जरिए रोका गया है कि किसी के उपास्यों को बुरा मत कहो क्योंकि वह अज्ञानता बस अल्लाह की महानता में उसका अपमान कर सकते हैं।

कुरआन में है :-

और ऐ मुसलमानों यह लोग अल्लाह के अतिरिक्त जिनको पुकारते हैं उन्हें अपशब्द मत कहो कहीं ऐसा ना हो कि ये शिर्क से आगे बढ़कर आज्ञान के कारण



अल्लाह को अपशब्द कहने लगे।

(सूरह इनआम आयत नंबर 108 यह), यह आयत धार्मिक और वैचारिक भिन्नताओं के बावजूद एक दूसरे की आस्थाओं का सम्मान करने का आदेश देती है। इसी प्रकार कुरआन धार्मिक सहिष्णुता और सह अस्तित्व की भावना का यह कह कर उद्घोष करता है कुरआन मजीद में है कि तुम्हारा धर्म तुम्हारे लिए मेरा धर्म मेरे लिए यह सूरह काफिरून में वर्णित है। सूरह 2 आयत 256 में ला इकराहा फिददीन कहकर अल्लाह ने स्पष्ट कर दिया है कि दीन धर्म के मामले में कोई जोर जबरदस्ती नहीं सही बात गलत विचारों से छोटकर अलग रख दी गई है। (कुरआन मजीद सूरह बकरा 256), कुरआन मजीद सूरह 10 आयत 99 में है:-

और अगर तुम्हारा रब चाहता तो जितने लोग जमीन पर हैं सब के सब ईमान ले आते तो क्या तुम लोगों से जबरदस्ती करना चाहते हो कि वह मुसलमान हो जाए। (कुरआन मजीद सूरह 10 आयत 99), कुरआन मजीद में सूरह 76 आयत 3 में है:- हमने उसको मनुष्य को सत्य मार्ग दिखा दिया है अब चाहे वह उस पर चलकर कृतज्ञ बने चाहे उसे छोड़कर अकृतज्ञ। कुरआन मजीद सूरह 88 आयत 21-22 में है आप उपदेश दीजिए और समझाइए बुझाइए क्योंकि आपकी जिम्मे केवल उपदेश देना है आप उन पर दरोगा या हवालदार नहीं है कि जोर जबरदस्ती से अपनी बात मनवा ले। कुरआन मजीद में सूरत 67 आयत 1-2 में है :- बड़ा ही महिमावान और उच्च है वह रब जिसके हाथों में जगत का शासन है और वह हर बात की सामर्थ रखता है उसी ने मृत्यु और जीवन को बनाया कि ताकि तुम लोगों की परीक्षा ले कि तुममें कौन उत्तम कर्म करने वाला है।

अब जबरदस्ती किसी का धर्म परिवर्तन नहीं कराया जा सकता इसका सवाल ही नहीं उठ सकता।

हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहो अलैह वसल्लम को कुरआन मजीद में रहमतुल्लिल आलामीन यानी सारे जगत के लिए दयापूर्ण व्यक्तित्व बनाकर भेजने का कारण स्पष्ट कर दिया गया है कि आपकी रहमत अर्थात् कृपा दृष्टि सिर्फ मुसलमान के लिए ही सीमित नहीं है बल्कि संपूर्ण ब्रह्मांड के लिए है जिसमें कई आलम समाए हैं क्या इसके बाद भी कुरआन और इस्लाम पर कट्टरता संकीर्णता और असहिष्णुता के आरोप लगाना

उचित है?

आज बारूद के ढेर पर बैठी दुनिया शांति की तलाश में इस्लाम की ओर आशा भरी निगाहों से देख रही है और नि संकोच बड़े पैमाने पर इस्लाम को स्वीकार भी कर रही है आज पूरी दुनिया में इस्लाम सबसे तेज बढ़ता हुआ धर्म बन गया है क्योंकि इस्लाम ईश्वर द्वारा अवतरित जीवन व्यवस्था है जिसका शाब्दिक अर्थ ही अल्लाह के प्रति समर्पण से शांति होता है। नैतिक पतन अक्षीलता नशा जो मानव चरित्र को लील रहा है जैसी आसामाजिक चारित्रिक बुराइयों को दूर करने के लिए मानव समाज इस्लाम की पवित्र नैतिक शिक्षाओं की प्रतीक्षा कर रहा है यदि 1400 साल पहले के आज से ज्यादा बिगाड़ हालात को हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहो अलैह वसल्लम की शिक्षाएं सुधार सकती हैं तो आज वैसा क्यों नहीं हो सकता सामाजिक सौहार्द को यदि हम अपने किरदार में उतार ले तो कोई कारण नहीं है कि विश्व को वर्तमान समस्याओं से निजात ना मिले। अपनी बात में एक शायरी पर खत्व करता हूँ - उनका जो फर्ज है वह अहले सियासत जाने।

मेरा पैगाम मोहब्बत है जहां तक पहुंचे। आप सभी भाइयों बहनों से मेरी दिल गुजारिश है की मुझे दीन ईमान इस्लाम का इल्म देने वाली और मुझसे बेईतहा मोहब्बत करने वाली अल्लाह की रहमत अजीम शख्सियत मेरी मोहसिन मेहरबान अम्मीजान जिनके कदमों के नीचे अल्लाह ने जन्मत रखी है हज्जन जुबेदा बी रहमतुल्लाहि अलैहा और जन्मत के दरवाजे मेरे अब्बू जनाब बाबू खान रहमतुल्लाह अलैह इन दोनों के लिए खुशूसी दुआएं मगफिरत फरमाए कि अल्लाह इनकी बख्शीश और मगफिरत फरमाकर आलमे बरजख के इल्लीन मे आला मुकाम अता फरमाए और अपनी रहमत और अपना नूर अता फरमाकर इनकी कब्रों को जन्मत के बाग में तब्दील फरमाकर रोशन फरमाए और कब्र के अजाब से जहन्नम की आग से पुलसिरात की सख्तियों से मैदाने महशर की तकलीफों से हिफाजत फरमाए और बदले के दिन जन्मतुल फिरदौस में आला मुकाम अता फरमाए आमीन या रब्बुल आलमीन आप सभी भाइयों बहनों की दुआओं का तलबगार आपका भाई साजिद खान।

साजिद खान संपादन प्रभाग हज्जन जुबेदा बी मीडिया ग्रुप धनपुरी

साइकिल ऑन संडे एवं ध्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया

धार। खेलों इंडिया योजना की फिट इंडिया पहल के तहत और फिटनेस को हमारी दिनचर्या में शामिल करने के उद्देश्य से माननीय केडरिय युवा मामले एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री ने 17 दिसम्बर 2024 को नई दिल्ली में फिट इंडिया साइकिलिंग अभियान का उद्घाटन किया, जिसमें 500 से अधिक साइकिलिंग उत्साही लोगों ने भाग लिया। साइकिलिंग अभियान अब रविवार को साइकिल के साथ एक नियमित अभियान बन गया है और लगभग 2 लाख साइकिल चालकों की भागीदारी के साथ देशभर में 4200 से अधिक स्थानों पर पहले ही हो चुका है। इस अभियान को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा मन की बात के 117 वे एपिसोड में भी स्वीकार किया गया है, जिसमें फिटनेस और स्वास्थ्य के संवर्धन के महत्व को रेखांकित किया गया है। इसके अतिरिक्त, माननीय प्रधानमंत्री द्वारा मोटापे से लड़ने के लिए दिए गए आह्वान के जवाब में, हमारे फिटनेस शासन के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में संतुलित शारीरिक गतिविधि होना अनिवार्य है। एक स्वस्थ राष्ट्र निर्माण में नियमित शारीरिक व्यायाम और खेलों के महत्व के बारे में लोगों को शिक्षित करने की आवश्यकता है। इस उद्देश्य से फिट इंडिया मिशन ने फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (PEFI) के सहयोग से 23 मार्च 2025 को संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई है। इसी तारतम्य में भारत सरकार, खेल



मंत्रालय एवं भारतीय खेल प्राधिकरण नई दिल्ली तथा क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल से प्राप्त निर्देशों के अनुसार साई, एसटीसी धार में भी दिनांक 23 मार्च 2025 को प्रातः 7:30 बजे संडे ऑन साइकिलिंग रैली का आयोजन किया गया। इस आयोजन में धार शहर से निजी एवं शासकीय विद्यालयों के शारीरिक व्यायाम प्रशिक्षक तथा अन्य छात्र-छात्राओं सहित कुल 40 साइकिल राइडरों ने प्रतिभाग किया गया। इस साइकिल रैली में मुख्य अतिथि के रूप में श्री जगदीश चंद्र शर्मा (मध्यप्रदेश योग आयोग अध्यक्ष), श्री रमेश चंद्र कश्यप (जिला योग प्रभारी) को आमंत्रित किया गया। मुख्य अतिथियों को केंद्र प्रभारी श्री नरेश कुमार भवसार द्वारा पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथियों द्वारा साइकिल राइडरों को फिटनेस की शपथ दिलाई गई और उसके बाद

राइडरों को मुख्य अतिथि के साथ केंद्र प्रभारी श्री नरेश कुमार भवसार द्वारा हरी झंडी दिखाकर रैली प्रारंभ की गई। साइकिल रैली में # Fight Obesity का संदेश देते साइकिल राइडरों ने रैली एसटीसी धार जैतपुरा से प्रारंभ कर त्रिमूर्ती चौराहा से वापसी एसटीसी धार-जैतपुरा में समाप्त की गई। साइकिल रैली के समापन पश्चात 95 प्रतिभागियों द्वारा ध्यान कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया गया और मन को एकाग्र एवं स्वस्थ रहने के लिए ध्यान और योग को श्री रमेशचंद्र कश्यप एवं श्री जगदीश चंद्र शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। इस आयोजन में एसटीसी धार के श्री राजेश तंबोलिया, श्री मनीष लोधी, श्री ओमप्रकाश माखनिया, श्री रोनी मोदी, कु. पूजा मेहता एवं अन्य समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम की जानकारी श्री विजय मिश्रा द्वारा प्रदान की गई।

कुर्ला वेस्ट में पार्किंग के चलते पुलिस की बड़ी कार्रवाई



मुंबई हलचल/शोएब म्यानुंर

मुंबई। कुर्ला वेस्ट युसुफ आजाद कवाल मार्ग पर न्यू आजाद रेस्टोरेंट के पास आडधद पार्किंग के चलते ट्रैफिक पुलिस और कुर्ला पुलिस टेक्सी, ऑटो, और बाईक मालिकों पर निशाना साधा है और अवैध पार्किंग को लेकर कार्रवाई की है। सड़क पर पार्किंग, यह एक उपद्रव है और कोई भी नियमों का पालन नहीं करता है। जिसके चलते पी एस आई काशिनाथ धोम, पुलिस कांस्टेबल दिलीप ओमासे, मोहन घडगे, ज्ञानोबा अगालावे, एम एस एफ जवान मयुर पाटील, ट्रैफिक पुलिस अहमद दादावी ने कार्रवाई को अंजाम दिया है।



कलवा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक श्री अशोक उतेकर साहेब का जन्मदिन पुलिस स्टेशन में बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। शाल पुष्पगुच्छ देकर उनके लंबी दीर्घायु की कामना के साथ उनको शुभकामना देते हुए सामाजिक कार्यकर्ता व पदाधिकारी राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी शरद पवार के बी पी शर्मा, भारतीय मीडिया फाउंडेशन के राष्ट्रीय महासचिव अशोक चौबे, मीडिया फाउंडेशन के थाने जिला उपाध्यक्ष (शिक्षक) वीरेंद्र यादव आदि।

अध्विति शेट्टी और अश्विति शेट्टी: कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी ट्विन्स

मुंबई। अध्विति शेट्टी और अश्विति शेट्टी, कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री की दो बहनें, जिनका अभिनय सफर बहुत ही प्रेरणादायक और अनोखा रहा है। इन दोनों ने एक साथ मिस्टर एंड मिसेस रामाचारी फिल्म से अपनी करियर की शुरुआत की, जो कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में एक बड़ी हिट साबित हुई थी। फिल्म में उनके साथ यश और राधिका पांडित जैसे सुपरस्टार्स थे। यह फिल्म कन्नड़ में लगभग 100 दिनों तक थिएटर में चली और इसने दोनों बहनों को सिनेमा जगत में एक महत्वपूर्ण स्थान दिलाया। हालांकि, इन दोनों ने शुरू में अभिनय के क्षेत्र में आने से इंकार किया था, लेकिन एक फेसबुक ऑफर के बाद दोनों ने इस इंडस्ट्री में कदम रखा। एक बार जब निर्देशक ने उन्हें उनके विनम्र स्वभाव और प्रतिभा के बारे में बताया, तो उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की और अब तक उनकी यात्रा शानदार रही है। उनकी जोड़ी केवल फिल्मों में ही नहीं, बल्कि असल जिंदगी में भी एक अद्भुत मिसाल है। ट्विन्स होने के नाते, लोग अक्सर उन्हें कम्प्यूज कर देते हैं और बार-बार एक-दूसरे से उनके रोल के बारे में सवाल पूछते हैं। हालांकि, इन दोनों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। वे इसे एक खूबसूरत अनुभव मानती हैं। हालांकि, कभी-



कभी उनके लिए यह चुनौतीपूर्ण हो जाता है कि लोग फिल्म रिलीज होने पर कंप्यूज हो जाते हैं कि कौन सी अभिनेत्री किस फिल्म में है। शेड्डी बहनें सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं हैं। वे

पेशेवर डांसर भी हैं और उन्होंने *India's Got Talent* समेत कई डांस रियलिटी शो में भाग लिया है। इसके अलावा, वे अच्छी एथलीट भी हैं और स्कूल-कॉलेज के दिनों में रिले रेस में हिस्सा लेती थीं। दिलचस्प बात यह है कि दोनों ने MBA in HR किया है और आईपीएस प्रिलिम्स भी दिया था। हालांकि, अपने प्रशंसकों और फिल्म इंडस्ट्री के साथ काम करने के कारण वे इस फील्ड में खुश हैं। इनका मानना है कि संतुलन बनाए रखना बहुत महत्वपूर्ण है। वे दोनों कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना चुकी हैं और अब बॉलीवुड में भी अपने कदम रखने की योजना बना रही हैं। साथ ही, अपने परिवार का धन्यवाद करते हुए वे यह कहती हैं कि उनके माता-पिता और भाई का समर्थन हमेशा उनके साथ रहा है, जो उन्हें अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करते हैं। अध्विति और अश्विति का कहना है कि उनका बंधन बहुत मजबूत है, और वे एक-दूसरे की सलाह और समर्थन के साथ अपने करियर और व्यक्तिगत जीवन को बेहतरीन तरीके से मैनेज करती हैं। वे अपने फैसस का आभार व्यक्त करती हैं और आगे भी अपने अभिनय के सफर को और बढ़ाने की कोशिश करेंगी।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

किराए का कमेडियन...

शिवसेना सांसद नरेश म्हरके ने विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कुणाल कामरा एक किराए के कमेडियन हैं जो कुछ पैसों के लिए अपनी पार्टी के नेता पर टिप्पणी कर रहे हैं। म्हरके ने कहा कि उन्हें संजय राउत और शिवसेना (यूबीटी) गुट के लिए दुख है क्योंकि उनके पास एकनाथ शिंदे पर टिप्पणी करने के लिए कोई अन्य पार्टी कार्यकर्ता नहीं बचा है। नरेश म्हरके ने कहा, कुणाल कामरा एक किराए के कमेडियन हैं और वे कुछ पैसों के लिए हमारे नेता पर टिप्पणी कर रहे हैं। महाराष्ट्र की बात तो दूर, कुणाल कामरा भारत में कहीं भी स्वतंत्र रूप से नहीं जा सकते, शिव सैनिक उन्हें उनकी जगह दिखा देंगे।

हिंसा के 6 दिन बाद पूरी तरह से हटा कर्फ्यू

नागपुर के कई हिस्सों में उस समय बड़े पैमाने पर पथराव और आगजनी की खबरें आईं, जब यह अफवाह फैली कि छत्रपति संभाजीनगर जिले में स्थित औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग को लेकर विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन के दौरान एक पवित्र पुस्तक की पत्तियां लिखी एक चादर कथित तौर पर जलाई गई।

छुट्टियों में कन्फर्म टिकट के लिए यात्री परेशान

यहां तक कि कुछ ट्रेनों में 2 मिनट में ही वेटिंग लिस्ट भी फुल हो जा रही है। पुष्पक, गोदान, पवन, कुर्ला गोरखपुर, महानगरी, कुशीनगर जैसी यूपी की ट्रेनों में इस समय दो महीने बाद का टिकट मिलना भी जैसे बड़ा सपना सच होने जैसा है। दो महीने बाद का गांव का टिकट पाने के लिए मुंबई के विभिन्न पीआरएस पर महिलाएं व बुजुर्ग भी रात भर लाइन में बैठे रहते हैं।

बस चलाते समय क्रिकेट मैच देखना पड़ा महंगा

महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम यानी माएसआरटीसी ने कथित तौर पर गाड़ी चलाते समय अपने मोबाइल फोन पर क्रिकेट मैच देखने वाले एक बस चालक को रविवार को बर्खास्त कर दिया है।

कमजोर वैश्विक संकट के कारण भी शेयर बाजार में रही गिरावट बैंक और आईटी शेयरों में बिकवाली से बाजार गिरा, सेंसेक्स 720 अंक लुढ़का

मुंबई हलचल / मुंबई

कमजोर वैश्विक संकेतों और रुपये में गिरावट जारी रहने के बीच शुक्रवार को बैंकों एवं आईटी शेयरों में बिकवाली होने से शेयर बाजारों में गिरावट रही। सेंसेक्स में 720 अंक की गिरावट आई जबकि निफ्टी 184 अंक फिसल गया। विश्लेषकों ने कहा कि निवेशकों ने अगले हफ्ते तिमाही नतीजे आने का सिलसिला शुरू होने के पहले अपने जोखिम को कम किया।

इसके अलावा अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में लगातार आ रही कमजोरी ने भी धारणा को प्रभावित किया। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स सकारात्मक शुरुआत के बावजूद 720.60 अंक यानी 0.90 प्रतिशत गिरकर 79,223.11 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 833.98 अंक गिरकर 79,109.73 पर आ गया था।



- कंपनियों के परिणाम आने के पूर्व निवेशकों ने जोखिम कम किया
- अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए लगातार कमजोर बना
- बाजार के उच्च मूल्यांकन के कारण निवेशक बिकवाल बने

निवेशकों का तीसरी तिमाही पर ध्यान केंद्रित

नायर ने कहा कि आने वाले समय में भारतीय बाजार तीसरी तिमाही के नतीजों पर ध्यान केंद्रित करेगा। उम्मीद है कि दूसरी तिमाही की तुलना में आंकड़े बेहतर होंगे। मझोली कंपनियों के बीएसई मिडकैप सूचकांक में 0.33 प्रतिशत गिरावट आई जबकि छोटी कंपनियों के बीएसई स्मालकैप सूचकांक में 0.02 प्रतिशत की सुस्ती रही।

निफ्टी 183 अंक टूटा

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी भी 183.90 अंक यानी 0.76 प्रतिशत गिरकर 24,004.75 पर बंद हुआ। इसके साथ ही कारोबारी सप्ताह का समापन गिरावट के साथ हुआ। उतार-चढ़ाव से भरे इस सप्ताह में सेंसेक्स में कुल 524.04 अंक यानी 0.66 प्रतिशत बढ़ोतरी दर्ज की गई जबकि निफ्टी 191.35 अंक यानी 0.80 प्रतिशत चढ़ा।

इन शेयरों में लाभ-हानि

सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से जोमैटो, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईसीआईसीआई बैंक, सन फार्मा, लार्सन एंड टूब्रो, एचसीएल टेक और आईटीसी में गिरावट रही। दूसरी तरफ, टाटा मोटर्स, नेस्ले, टाइटन, हिंदुस्तान यूनिलीवर और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।

ऊंचे स्तर पर बिकवाली का जोर

एशियाई बाजार में गिरावट:

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया के कॉस्पी और हांगकांग के हैंगसेंग में तेजी रही जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट गिरावट के साथ बंद हुआ। जापानी बाजार नए साल की छुट्टी के कारण बंद रहे। यूरोप के अधिकांश बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। बृहस्पतिवार को अमेरिकी शेयर नुकसान के साथ बंद हुए थे।

एफआईआई ने गुरुवार को की खरीदारी : हालांकि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने कई दिनों तक शुद्ध विक्रेता बने रहने के बाद बृहस्पतिवार को भारतीय बाजार में खरीदारी की। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, एफआईआई ने 1,506.75 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट का सिलसिला जारी रह

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, "डॉलर में मजबूती, बाजार के उच्च मूल्यांकन और एक साथ कई संपत्ति श्रेणियों में निवेश के प्रति बढ़ते रुझान से बाजार में ऊंचे स्तर पर बिकवाली का रुख देखा जा रहा है। ब्याज दर में कटौती को लेकर जल्दबाजी दिखाता हुआ नहीं नजर आ रहा है।"

स्कूटी स्टार्ट नहीं हुई तो युवक ने पेट्रोल डाल लगा दी आग और वहां से चला गया, मचा हड़कंप

कानपुर। कानपुर में एक युवक ने स्कूटी में पेट्रोल डालकर आग लगा दी। जब ऊंची ऊंची आग की लपटें उठने लगी तो मौके से चला गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक स्कूटी पूरी तरह जल चुकी थी। उसमें कुछ भी नहीं बचा था। इस संबंध में कमिश्नरेट पुलिस ने बताया कि स्कूटी स्टार्ट न होने के कारण युवक वहीं पर जला दिया और चला गया। मामले की जांच की जा रही है। कानून और व्यवस्था की कोई समस्या नहीं है। मामला गोविंद नगर थाना क्षेत्र का है। उत्तर प्रदेश के कानपुर के गोविंद नगर थाना क्षेत्र के ब्लॉक-एक में पार्क के निकट अचानक एक युवक ने अपनी स्कूटी में आग लगा दी। इसके पहले वह काफी देर से स्कूटी को स्टार्ट कर रहा था। लेकिन जब स्टार्ट नहीं हुई तो उसने गुस्से में पास की दुकान से पॉलिथीन खरीदी। जिसके सहारे पेट्रोल टैंक में आग लगा दी। इसके पहले कि मौके पर मौजूद लोग पूछताछ करते। युवक भाग निकला। घटना की जानकारी गोविंद नगर थाना पुलिस को दी गई।

1.42 लाख शिक्षामित्रों को नए साल का तोहफा

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश में प्राथमिक स्कूलों में तैनात 1.42 लाख शिक्षामित्रों को सरकार ने नए साल का तोहफा दिया है। ये लोग मूल या समीप के स्कूल में तबादला करा सकेंगे। इसके लिए शिक्षामित्र लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। इसके लिए शासनादेश जारी कर दिया गया है। भाराक तय हो गया है। डीएम की अध्यक्षता में कमेटी बनाई जाएगी। शासनादेश में कहा गया कि पुरुष शिक्षामित्र या फिर अविवाहित महिला शिक्षामित्रों को वर्तमान में कार्यरत विद्यालय में तैनात रहने अथवा मूल विद्यालय अथवा मूल विद्यालय में पद रिक्त न होने की स्थिति में ग्रामसभा/ग्राम पंचायत/वार्ड में संचालित विद्यालय में रिक्त शिक्षामित्र पद के प्रति पदास्थापित किए जाने के संबंध में उनके द्वारा विकल्प दिया जा सकेगा।



विवाहित महिला शिक्षामित्रों को अपने वर्तमान में कार्यरत विद्यालय में तैनात रहने अथवा मूल विद्यालय अथवा उसी या अन्य जनपद में पति के घर (पति के निवास प्रमाण पत्र के आधार पर) की ग्रामसभा/ग्राम पंचायत/वार्ड में स्थित प्राथमिक विद्यालय में रिक्त शिक्षामित्र पद के प्रति पदास्थापित किए जाने का विकल्प दिया सकेगा। जिन शिक्षामित्रों द्वारा

शासन ने किया तबादले का आदेश जारी

अपने कार्यरत विद्यालय में ही पदास्थापित किए जाने का ही विकल्प दिया जाता है, तो ऐसे आवेदन पत्रों पर किसी कार्यवाही की आवश्यकता नहीं होगी। बिंदु संख्या तीन के अतिरिक्त स्थानान्तरण/समायोजन के प्राप्त आवेदन पत्रों के आधार पर ही जिला स्तरीय गठित समिति द्वारा निर्धारित भाराक एवं रिक्ति के सापेक्ष शिक्षामित्र पद पर शिक्षामित्रों के स्थानान्तरण/समायोजन की कार्यवाही राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र (एनआईसी), लखनऊ द्वारा विकसित साफ्टवेयर पोर्टल से ऑनलाइन प्रणाली द्वारा जनपद स्तर पर जाएगी।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी के दायित्व

मानव संपदा पोर्टल के डाटा के आधार पर ऐसे परिषदीय प्राथमिक विद्यालय (कक्षा एक से पांच तक) कम्पोजिट विद्यालय (कक्षा एक से आठ तक) जहां शिक्षामित्र कार्यरत न हो, उनमें शिक्षामित्र की दो रिक्तियां चिन्हित की जाएंगी। जहां एक शिक्षामित्र कार्यरत हो वहां पर एक शिक्षामित्र की रिक्ति चिन्हित की जाएगी।

रोटरैक्ट जीवन के सार को दर्शाता

मुंबई। कल्पना करें कि आपके पास एक ऐसे भविष्य को आकार देने की शक्ति है जो आपके सपनों से भी परे हो-यही हम यहाँ करते हैं। एक शब्द में रोटैक्ट जीवन के सार को दर्शाता है। समाज पर प्रभाव डालने से लेकर व्यक्तिगत विकास तक, दुनिया भर की संस्कृतियों के बारे में सीखने से लेकर साहित्यिक ज्ञान को समृद्ध करने तक, अपने ब्रांड की छवि बनाने से लेकर सोशल मीडिया अकाउंट्स को प्रबंधित करने तक-जो भी आप सोच सकते हैं, वह सब रोटैक्ट में शामिल है। पिछले 20 वर्षों से, के.सी. कॉलेज का रोटैक्ट क्लब, जो समाज पर प्रभाव डालने की नींव पर बना है, बदलाव लाने में एक उत्प्रेरक रहा है। रोटरी इंटरनेशनल के वैश्विक नेटवर्क के तहत काम करते हुए, अपने प्रयासों और अटूट समर्पण के माध्यम से, इस क्लब का मुख्य उद्देश्य व्यक्तियों को एकजुट करना और समाज के साथ-साथ स्वयं में भी स्थायी परिवर्तन लाना है। इस वर्ष क्लब का थीम 'Sailing Towards Solasta' था, जो उत्कृष्टता प्राप्त करने की इसकी निडर यात्रा को दर्शाता है। के.सी. कॉलेज का रोटैक्ट क्लब एक गैर-लाभकारी छात्र-संचालित संगठन है, जो युवा नेताओं को एक मंच प्रदान करता है, जहाँ वे महत्वपूर्ण कौशल विकसित कर सकते हैं और सेवा के माध्यम से समाज में योगदान दे सकते हैं। पिछले कुछ महीनों में, हमारे सदस्यों ने कई पहलों में सक्रिय रूप से भाग लिया है, जिन्हें पूरी तरह से छात्रों द्वारा प्रबंधित किया गया था। हमारे क्लब के केंद्र में समाज सेवा का भाव निहित है, और हम लगातार ऐसे तरीकों की तलाश में रहते हैं जिससे हम समाज को अपनी सेवा के माध्यम से कुछ लौटा सकें।

हमारे कुछ प्रमुख मेगा-प्रोजेक्ट्स में शामिल हैं

अभ्यास (Abhiyas) – एक पहल जो वर्षभर हर सप्ताह वंचित वर्ग के बच्चों को शिक्षा प्रदान करने पर केंद्रित है।

अभय (Abhay) – यह उन लोगों को सम्मानित करने के लिए आयोजित किया जाता है जिन्होंने समाज को बेहतर बनाने के लिए कार्य किया है। साइकल ऑफ़ वॉइसेस (Cycle of Voices) – यह मासिक धर्म जागरूकता और स्वच्छता पर आधारित एक विशेष परियोजना है।

इसके अलावा, क्लब की कुछ प्रमुख विशेष परियोजनाओं में शामिल हैं

RCKC आइकॉन (RCKC Icon) - एक ऐसा कार्यक्रम जो हमारे सदस्यों को पेजेंट्री से जुड़ी सुंदरता और आत्मविश्वास को समझने में मदद करता है। वॉर ऑफ़ हाउसेस (War of Houses) – एक टीम स्पोर्ट्स पहल, जिसमें 12 से अधिक विभिन्न खेल शामिल हैं, जो सदस्यों की चुस्ती, क्षमता और शारीरिक शक्ति का परीक्षण करते हैं। हर वर्ष, RCKC की टीम क्लब सर्विस अत्यधिक प्रतीक्षित Camphoria कैपिंग ट्रिप का आयोजन करती है, जिसमें विभिन्न कॉलेजों के प्रतिभागी शामिल होते हैं। इस वर्ष, 300 से अधिक छात्रों ने इस रोमांचक यात्रा में भाग लिया, जिससे यह एक अविस्मरणीय अनुभव बन गया। के.सी. कॉलेज का रोटैक्ट क्लब लगातार सफलता की ओर बढ़ रहा है, और नवाचारपूर्ण परियोजनाओं और पहलों के माध्यम से अपनी पहचान बना रहा है। हर वर्ष, हमारा प्रभाव और समर्पण नई ऊँचाइयों को छूता है, क्योंकि हम अपनी यात्रा को खुद आकार देते हुए बहुआयामी, रचनात्मक, नवोन्मेषी और मजबूत नेता बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।





रिया चक्रवर्ती के सपोर्ट में उतरीं दिया मिर्जा



बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत मौत केस में सीबीआई ने अपनी क्लोजर रिपोर्ट दे दी है। इसी के साथ एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती को क्लीन चिट मिल गई है। लेकिन अब इस मामले में जुड़ी सीबीआई द्वारा क्लोजर रिपोर्ट दाखिल करने के बाद अभिनेत्री दिया मिर्जा ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। दरअसल, दिया ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर सवाल किया। उन्होंने कहा कि मीडिया ने रिया को गहरी पीड़ा और उत्पीड़न पहुंचाया। मीडिया में कौन इतनी हिम्मत जुटा पाएगा कि रिया चक्रवर्ती और उनके परिवार से लिखित माफी मांग सके? आप कम से कम इतना तो कर ही सकते हैं। पीटीआई के अनुसार, अब अदालतें तय करेंगी कि रिपोर्ट को स्वीकार किया जाए या एजेंसी को आगे की जांच का आदेश दिया जाए। सुशांत 14 जून, 2020 को मुंबई के उपनगरीय बांद्रा स्थित अपने अपार्टमेंट में छत से लटके पाए गए थे। वह 34 वर्ष के थे। कूपर अस्पताल में किए गए उनके पोस्टमॉर्टम से यह निष्कर्ष निकला था कि अभिनेता की मौत दम घुटने से हुई थी। सीबीआई ने दो अलग-अलग मामलों की जांच की झ केके सिंह द्वारा पटना पुलिस में दर्ज कराया गया मामला जिसमें रिया पर आत्महत्या के लिए उकसाने और अभिनेता के खातों से 15 करोड़ रुपये हड़पने का आरोप लगाया गया। दूसरा मामला रिया द्वारा बांद्रा में दर्ज कराया गया जिसमें सुशांत की बहनो पर दिल्ली के एक डॉक्टर द्वारा जारी फर्जी पर्चे के आधार पर उन्हें दवाइयाँ देने का आरोप लगाया गया। बांद्रा पुलिस के समक्ष दर्ज मामले में, जिसे बाद में सीबीआई ने अपने हाथ में ले लिया, रिया ने आरोप लगाया था कि इन दवाओं को गलत तरीके से निर्धारित किए जाने के पाँच दिन बाद सुशांत की मृत्यु हो गई। विशेषज्ञों की राय, अपराध स्थल विश्लेषण, गवाहों के बयान और फॉरेंसिक रिपोर्ट के आधार पर, सीबीआई इस निष्कर्ष पर पहुँची कि आरोपों का समर्थन करने के लिए कोई भी सामग्री नहीं थी कि किसी ने अभिनेता को आत्महत्या के लिए मजबूर किया हो, अधिकारियों का हवाला देते हुए बताया।



आमिर खान ने किसानों के लाभों पर की बात

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान ने रविवार को संधारणीय खेती और पूरे महाराष्ट्र में शेतकरी यानी किसानों के लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पिछले कई सालों से उनसे पूरे राज्य में अपने काम का विस्तार करने के लिए कह रहे हैं, लेकिन वे ऐसा नहीं कर सकते क्योंकि महाराष्ट्र एक बहुत बड़ा राज्य है। पानी फाउंडेशन के एक कार्यक्रम में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि देवेंद्र जी पिछले नौ सालों से हमसे कह रहे हैं कि हमें पूरे महाराष्ट्र में काम करना चाहिए और हमारे मन में भी यही इच्छा थी, लेकिन महाराष्ट्र एक बहुत बड़ा राज्य है। यह जर्मनी से भी बड़ा है, इसलिए यह एक बड़ी जिम्मेदारी है। अब हमें लगता है कि शायद हम यह जिम्मेदारी ले पाएंगे। उन्होंने बताया कि अगले साल से हम पूरे महाराष्ट्र में यह काम करेंगे और कहा कि सरकार सहायक नीतियाँ भी पेश करेंगी। आमिर खान अपनी पूर्व पत्नी, निर्देशक किरण राव के साथ पुणे में पानी फाउंडेशन के कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को राज्य में खेती को टिकाऊ बनाने के लिए गांवों में जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला।

जब इमरान हाशमी को हो गया था टीचर से प्यार

बॉलीवुड के सीरियल किसर के नाम से मशहूर इमरान हाशमी को कई फिल्मों में बेहतरीन एक्टिंग के लिए जाना जाता है। इमरान अपने लुक और बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन की वजह से चर्चा में रहते हैं। इमरान ने फिल्म फुटपाथ से फिल्मों में डेब्यू किया। मूवी में उनके अपोजिट बिपाशा बसु थीं। फिल्म में दिखने से पहले से ही वो एक लड़की के प्यार में पड़े थे जिसका नाम परवीन था, उस वक्त परवीन एक स्कूल में टीचर हुआ करती थीं। इमरान और परवीन ने 10 साल तक एक दूसरे को डेट किया। इसके बाद कपल ने अपने रिश्ते को नाम देने का सोचा और दोनों ने शादी करने का फैसला ले लिया। लेकिन उन दिनों भी इमरान बॉलीवुड में स्ट्रगल ही कर रहे थे, इसलिए उन्होंने 10 साल एक दूसरे को डेटिंग करने के बाद 12 दिसंबर, 2006 में शादी की। सीरियल किसर के टैग से खुद इमरान हाशमी भी खुश नहीं हैं।

